राधे कृष्ण की ज्योति अलोकिक सवैया हिंदी लिरिक्स

राधे कृष्ण की ज्योति अलोकिक,
तीनों लोक में छाये रही है,
भक्ति विवश एक प्रेम पुजारिन,
फिर भी दीप जलाये रही है,
कृष्ण को गोकुल से राधे को,
कृष्ण को गोकुल से राधे को,
बरसाने से बुलाय रही है,
दोनों करो स्वीकार कृपा कर,
जोगन आरती गाये रही है,
दोनों करो स्वीकार कृपा कर,
जोगन आरती गाये रही है।bd।

भोर भये ते सांझ ढले तक,
सेवा को नित नेम हमारो,
स्नान कराये वो वस्त्र ओढ़ाए वो,
भोग लगाए वो लागत प्यारो,
कबते निहारत आपकी ओर,
कबते निहारत आपकी ओर,
की आप हमारी ओर निहारो,
राधे कृष्ण हमारे धाम को,
जानी वृन्दावन धाम पधारो,
राधे कृष्ण हमारे धाम को,
जानी वृन्दावन धाम पधारो।bd।

राधे कृष्ण की ज्योति अलोकिक,
तीनों लोक में छाये रही है,
भक्ति विवश एक प्रेम पुजारिन,
फिर भी दीप जलाये रही है,
कृष्ण को गोकुल से राधे को,
कृष्ण को गोकुल से राधे को,
बरसाने से बुलाय रही है,
दोनों करो स्वीकार कृपा कर,
जोगन आरती गाये रही है,
दोनों करो स्वीकार कृपा कर,
जोगन आरती गाये रही है।bd।

Singer – Shreya Ghoshal

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com